DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

1 February, 2024

केंद्र द्वारा भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 को बदलकर नए कानून लाने की योजना

***संदर्भ**: केंद्र सरकार द्वारा भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 को निरस्त कर, देश में स्टाम्प शुल्क व्यवस्था को नियंत्रित करने वाले एक नये कानून को लाने की योजना है।*

- वित्त मंत्रालय ने वर्तमान सरकार को भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 को निरस्त करने का प्रस्ताव दिया है।
- प्रस्तावित नए कानून, 'भारतीय स्टाम्प विधेयक, 2023' का उद्देश्य स्टाम्प शुल्क नियमों को और आधुनिक बनाना है।
- **स्टाम्प ड्यूटी/शुल्क क्या है?**
  - स्टाम्प ड्यूटी एक सरकारी कर है, जो विभिन्न दस्तावेजों, उदाहरणार्थ किसी समझौते या लेनदेन वाले कागजात के पंजीकरण पर लगाया जाता है।
  - यह राशि दस्तावेज़ की प्रकृति या समझौते के मूल्य के प्रतिशत के आधार पर तय की जाती है।
- **किन उपकरणों पर लगाया जाता है:** यह स्टांप शुल्क विनिमय बिल, चेक, वचन पत्र, लदान बिल, क्रेडिट पत्र, बीमा पॉलिसियों, शेयरों के हस्तांतरण, डिबेंचर, प्रॉक्सी और रसीदों आदि पर लगाया जा सकता है।
- **प्राधिकरण और संग्रहण:** यद्यपि यह केंद्र सरकार द्वारा लगाया जाता है, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 268 के तहत राज्यों द्वारा, उनके अधिकार क्षेत्रों के भीतर इसका संग्रहण किया जाता है।
- **नये विधेयक को लाने के कारण:**
  - प्रचलित भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 के कई प्रावधान वर्तमान संदर्भ में निरर्थक या निष्क्रिय माने जाते हैं।
  - इसके अलावा डिजिटल ई-स्टांपिंग के प्रावधानों का अभाव और सभी भारतीय राज्यों में स्टांप शुल्क के लिए समान कानून का अभाव भी नये विधेयक की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

	ड्यूटी/स्टाम्प शुल्क	टैरिफ़
अर्थ	यह आयातित वस्तुओं पर सरकार द्वारा उपभोक्ता पर लगाया जाने वाला एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर है।	टैरिफ किसी दूसरे देश से आयातित वस्तुओं पर सरकार द्वारा लगाया जाने वाला एक प्रकार का प्रत्यक्ष कर है।
प्रकृति	यह अप्रत्यक्ष करों की तरह उपभोक्ताओं पर लगाए जाते हैं। इसे उपभोक्ता कर के नाम से भी जाना जाता है।	टैरिफ आयातित और निर्यातित वस्तुओं पर लगाए जाने वाले प्रत्यक्ष करों की तरह भारित होते हैं।
प्रकार	अमेरिका में लागू इन शुल्कों के प्रकार निम्नवत हैं: - 1. मूल सीमा शुल्क 2. प्रतिकारी शुल्क 3. एंटी-डंपिंग ड्यूटी	टैरिफ के प्रकार निम्नवत हैं: - 1. यथामूल्य कर और 2. विशिष्ट टैरिफ
द्वितीयक उपयोग	शुल्क के अन्य उपयोगों में आयात शुल्क, उत्पाद शुल्क, उत्तराधिकार या मृत्यु शुल्क और स्टांप शुल्क आदि शामिल होते हैं।	टैरिफ के अन्य उपयोगों में विभिन्न कीमतों की एक सामान्य सूची शामिल होती है।

- **नवीनतम विधेयक के प्रस्तावित प्रावधान:**
  - इसमें डिजिटल ई-स्टांपिंग के लिए उपयुक्त प्रावधानों को शामिल किया गया है।
  - नये विधेयक के प्रस्तावों में अन्य उपकरणों के लिए डिजिटल हस्ताक्षर का भी समावेशन किया गया है।
  - इस कानून के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने पर जुर्माने में वृद्धि का प्रस्ताव किया गया है। इस हेतु अधिकतम जुर्माना राशि 5,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये तक कर दी गई है।
- **भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899: एक अवलोकन;**
  - यह विनिमय अथवा लेनदेन उपकरणों पर टिकटों के माध्यम से, लगाए गए कर को नियंत्रित करने वाला एक राजकोषीय क़ानून है।
  - इन उपकरणों में अधिकारों या देनदारियों का दावा करने, उसे स्थानांतरित करने, सीमित करने, विस्तार करने, समाप्त करने या रिकॉर्ड करने वाले अन्य सभी दस्तावेज़ शामिल हैं।
  - स्टाम्प/ड्यूटी को शुल्क संग्रह प्रयोजन के लिए, राज्य सरकार द्वारा अधिकृत किसी भी चिह्न, मुहर या पृष्ठांकन के रूप में परिभाषित किया गया है।
  - कुछ उपकरण या दस्तावेज़ इस अधिनियम की अनुसूची 1 में निर्दिष्ट राशि से प्रभार्य (Chargeable) होते हैं।

उप मुख्यमंत्री

***संदर्भ**: विगत 28 जनवरी को, जब नीतीश कुमार ने एक बार पुनः भाजपा के साथ गठबंधन किया और बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में रिकॉर्ड नौवीं बार शपथ ली, तो उस वक्त समय उन्हें दो डिप्टी सीएम (उप मुख्यमंत्री) का समर्थन प्राप्त था।*

- **राजनीतिक समझौता और गठबंधन वाली सरकारें:**
  - भारतीय राजनीति में उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति एक सामान्य बात है।
  - यह नियुक्ति अक्सर गठबंधन सरकार के गठन के बाद की जाती है या जब किसी एक नेता के पास सत्तारूढ़ दल में निर्विवाद अधिकार नहीं होता है।
- **वर्तमान परिप्रेक्ष्य:**
  - विगत, नवंबर में चुनाव संपन्न कराने वाले पांच राज्यों में से चार राज्यों यथा; मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में इस समय उप मुख्यमंत्री हैं।
  - वर्तमान में तमिलनाडु और केरल को छोड़कर, भारत के सभी प्रमुख राज्यों में यही स्थिति है।
- **संवैधानिक संदर्भ:**
  - संविधान का अनुच्छेद 163(1) राज्यपाल की सहायता और सलाह देने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक मंत्रिपरिषद के गठन का प्रावधान करता है।
  - हालाँकि, संविधान में उप मुख्यमंत्री के पद का स्पष्ट उल्लेख कहीं नहीं किया गया है।
- **समतुल्य रैंक और जिम्मेदारियाँ:**
  - उपमुख्यमंत्री का पद राज्य स्तर पर कैबिनेट मंत्री के पद के बराबर माना जाता है।
  - साथ ही साथ उपमुख्यमंत्री को कैबिनेट मंत्री के समान वेतन और सुविधाएं भी प्राप्त होती हैं।
- **राज्यों की स्थिति:**
  - इस समय बिहार समेत कम से कम 13 राज्यों में उपमुख्यमंत्री कार्यरत हैं।
  - आंध्र प्रदेश सभी भारतीय राज्यों में मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के साथ सर्वाधिक पांच उप मुख्यमंत्रियों वाला राज्य है।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - अनुग्रह नारायण सिन्हा संभवतः भारत के पहले उप मुख्यमंत्री (बिहार) थे।
  - वर्ष 1967 के बाद राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का प्रभुत्व कम होने के बाद इस प्रथा को प्रमुखता दी गई।
- **भारतीय राज्यों के उदाहरण:**
  - **उत्तर प्रदेश:** वर्ष 1967 में राम प्रकाश गुप्ता उप मुख्यमंत्री बने।
  - **मध्य प्रदेश:** वीरेंद्र कुमार सकलेचा 1967 में इस पद पर रहे।
  - **हरियाणा:** चौधरी चांद राम यहाँ के पहले उपमुख्यमंत्री थे।
  - **बिहार:** कर्पूरी ठाकुर, जगदेव प्रसाद और राम जयपाल सिंह यादव आदि इस पद पर रहे हैं।
- **उप प्रधान मंत्री:**
  - भारत ने कई उप प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल को भी देखा है, जिनमें सरदार वल्लभभाई पटेल, मोरारजी देसाई, चरण सिंह, देवी लाल और लाल कृष्ण आडवाणी जैसे व्यक्तित्व शामिल हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- एक समय उप प्रधान मंत्री के पद को अदालत में चुनौती दी गई, तब सर्वोच्च न्यायालय ने के एम शर्मा बनाम देवी लाल और अन्य (1990) के मामले में देवी लाल की नियुक्ति को बरकरार रखा।
- अदालत ने स्पष्ट किया कि यह शीर्षक अतिरिक्त शक्तियाँ प्रदान नहीं करता है।

एक जिला, एक उत्पाद संपर्क (ओडीओपी संपर्क)

संदर्भ: *डीपीआईआईटी राष्ट्रव्यापी 'एक जिला, एक उत्पाद संपर्क' कार्यक्रम आयोजित कर रहा है जिससे स्थानीय ई-कॉमर्स के विस्तार को बढ़ावा दिया जा सके और कारीगरों और किसानों के कल्याण का समर्थन किया जा सके।*

➢ जागरूकता और सफलता की कहानियों का प्रदर्शन:

- डीपीआईआईटी इस पहल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए देश भर में 'एक जिला एक उत्पाद संपर्क' कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।
- ये कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण और स्वदेशी उद्योगों के पुनरुद्धार के अनुरूप विभिन्न जिलों की सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करते हैं।

➢ संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए सहयोगात्मक प्रयास:

- 15 राज्यों में आयोजित कार्यशालाएं जिलों, राज्यों और केंद्र के बीच सहयोगात्मक प्रयासों पर जोर देती हैं।
- यह पहल संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ संबद्ध है।

➢ भौगोलिक पहुंच और बहुभाषी संचार:

- उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में आयोजित कार्यशालाओं को अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं जैसे समाचार पत्रों में कवर किया गया है।
- इसका मूर्त प्रभाव प्रत्यक्ष बातचीत, बाजार से जुड़ाव के अंतराल की पहचान और डीपीआईआईटी द्वारा सक्रिय पहलों के माध्यम से स्पष्ट है।

➢ डीपीआईआईटी की पहल:

- डीपीआईआईटी विक्रेताओं के लिए ई-कॉमर्स ऑनबोर्डिंग का समर्थन करने, राज्यों के साथ ओडीओपी नीतियों को तैयार करने, पैकेजिंग रणनीतियों को बढ़ाने और घरेलू और वैश्विक प्रचार के लिए विक्रेताओं के बीच केंद्रीय स्तर पर संबंध स्थापित करने में सक्रिय रूप से शामिल है।

➢ कारीगरों और किसानों को संवेदनशील बनाना:

- इन कार्यक्रमों के दौरान कई कारीगरों और किसानों को ओडीओपी पहल के बारे में जागरूक किया गया है।
- कार्यशालाओं में सांस्कृतिक प्रदर्शन, प्रत्येक राज्य के प्रसिद्ध स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन करते हैं।

➢ कार्यशालाओं के उद्देश्य:

- कार्यशालाएं राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं पर चर्चा करने, संदेहों और चुनौतियों का समाधान करने, उत्पादों का प्रदर्शन करने और कारीगरों और किसानों को लाभान्वित करने वाली पहलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती हैं।

➢ ओडीओपी संपर्क सहयोग:

- डीपीआईआईटी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (पीआईबी) और राज्य सरकारों के सहयोग से शुरू किया गया ओडीओपी संपर्क, सरकारी अधिकारियों, ओडीओपी विक्रेताओं, मीडिया प्रतिनिधियों और प्रमुख हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।

➢ उत्पाद वर्गीकरण और शामिल क्षेत्र:

- प्रत्येक जिले में एक प्राथमिक उत्पाद होता है और एक से अधिक उत्पाद वाले जिलों ने उन्हें द्वितीयक या तृतीयक उत्पादों के रूप में वर्गीकृत किया है।
- उत्पाद कृषि, विनिर्माण, हथकरघा और कपड़ा, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री और सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं।

➢ सतत विकास और समावेशी पारिस्थितिकी:

- जैसे-जैसे ओडीओपी संपर्क विकसित होगा, कार्यशालाएं सफलता की कहानियों को उजागर करने, चुनौतियों का समाधान करने और अधिक समावेशी पारिस्थितिकी का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अंतरिम बजट

आज भारत की वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) लोकसभा में अंतरिम बजट 2024 पेश करेंगी।

अंतरिम बजट के बारे में:

- अंतरिम बजट, जिसे "वोट ऑन अकाउंट" के रूप में भी जाना जाता है, आम चुनाव से पहले केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली एक अस्थायी वित्तीय योजना है।
- नई सरकार आने और नया पूर्ण बजट बनाने तक अल्प अवधि के लिए सरकार के खर्चों को पूरा करने के लिए यह एक अस्थायी व्यवस्था है।
- यह वित्तीय वर्ष के पहले चार महीनों के व्यय को पूरा करने के लिए संसद में प्रस्तुत किया जाता है, इसे लोक सभा की स्वीकृति होना आवश्यक है।
- इसमें वेतन भुगतान और विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यक्रम शामिल हैं, जिसमें कराधान संरचना में कोई बदलाव शामिल नहीं होता है।
- यह खातों का एक पूरा सेट है जिसमें व्यय और प्राप्तियाँ दोनों शामिल हैं।
- लेखानुदान केवल सरकार के बजट के व्यय को कवर करता है।
- भारत में पहला अंतरिम बजट 1947 में आरके शनमुखम चेट्टी द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान

हाल ही में, यह घोषणा की गई है कि इरविकुलम राष्ट्रीय उद्यान (ईएनपी), जो कि नीलगिरी तहर का प्राकृतिक आवास भी है, को 1 फरवरी से 31 मार्च तक नीलगिरी तहर के बच्चे देने के मौसम के लिए बंद कर दिया जाएगा।

एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान भारत के पश्चिमी घाट में, दक्षिणी पश्चिमी घाट के कन्नन देवन पहाड़ियों में स्थित है।
- नीलगिरि तहर की रक्षा के लिए इस पार्क को 1975 में एक अभयारण्य घोषित किया गया था और 1978 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- अनामुडी शिखर इस पार्क के दक्षिणी किनारे पर स्थित है।
- यह पार्क नीलगिरी तहर के लिए जाना जाता है, जो एक लुप्तप्राय पर्वतीय खुर वाला जानवर है जो पश्चिमी घाटों के दक्षिणी भाग में रहता है।
- यह नीलकुरिंजी फूल का भी घर है, जो हर 12 साल में एक बार खिलता है।
- **वनस्पति:** पार्क मुख्य रूप से घास के मैदानों से ढका हुआ है जो घाटी के ऊपरी हिस्से में शोला जंगलों के से घिरा हुआ है।
- **जीव-जंतु:** यह नीलगिरि तहर, गौर, स्लॉथ भालू, नीलगिरि लंगूर, बाघ, तेंदुआ, विशाल गिलहरी और जंगली कुत्ते सहित विविध प्रकार के वन्यजीवों का घर है।

जेंटू पेंगुइन

हाल ही में, दक्षिण जॉर्जिया द्वीप पर एक जेंटू पेंगुइन के H5N1 से मरने का संदेह है।

जेंटू पेंगुइन के बारे में:

- जेंटू पेंगुइन (Pygoscelis papua) एक पेंगुइन प्रजाति है जो कि एडेली और चिनस्ट्रैप पेंगुइन से निकटता से संबंधित है।
- यह अंटार्कटिक और उप-अंटार्कटिक द्वीपों और प्रायद्वीपों पर रहता है।
- इसके काले और सफेद पंख होते हैं, उनकी आंखों के ऊपर एक सफेद पैच होता है, और चोंच पीले से लाल रंग की होती है।
- यह उप-अंटार्कटिक द्वीपों का स्थानिक है। यह समुद्र तटों और चट्टानों जैसे बर्फ रहित क्षेत्रों में रहता है।
- यह हर दिन अपने शरीर के वजन का 10% खाता है।

H5N1 के बारे में:

- H5N1 का वंश 2.3.4.4b जिसे एवियन इन्फ्लूएंजा के रूप में भी जाना जाता है, एक अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस है जो दिसंबर 2022 में चिली में उभरा था।
- मनुष्यों में एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस का संचरण दुर्लभ है। हालांकि, जब वायरस किसी व्यक्ति की आंख, नाक या मुंह में चला जाता है तो पक्षी फ्लू वायरस से इसका मानव में संक्रमण हो सकता है।
- H5N1 को रोकने के लिए, व्यक्ति गर्म पानी से बार-बार हाथ धोना चाहिए , पके हुए और कच्चे मांस के लिए अलग बर्तन इस्तेमाल का उपयोग करना चाहिए , पूरी तरह से पका हुआ मांस ही खाना चाहिए और जीवित पक्षियों तथा मुर्गियों से संपर्क से बचना चाहिए।

भारत 5G पोर्टल

हाल ही में, संचार मंत्रालय के तहत डिजिटल संचार आयोग के अध्यक्ष और दूरसंचार विभाग (DoT) के सचिव ने "भारत 5G पोर्टल" का अनावरण किया।

भारत 5G पोर्टल के बारे में:

- भारत 5G पोर्टल सभी 5G और 6G से संबंधित कार्यों के लिए वन-स्टॉप समाधान है।
- यह एक व्यापक मंच है जो स्टार्टअप्स, उद्योग और शिक्षा जगत के हितों को 5G, 6G, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) और क्वांटम के क्षेत्रों में पूरा करता है।
- इसमें PANIIT USA के सहयोग से फ्यूचर टेक-एक्सपर्ट्स पंजीकरण पोर्टल शामिल है।
- पोर्टल में शैक्षणिक अनुसंधान और विकास, उद्योग मानक, OEM, स्टार्टअप/MSMEs और विषय विशेषज्ञ शामिल हैं।
- पोर्टल का लक्ष्य भारत की 5G क्षमताओं को बढ़ाना, दूरसंचार क्षेत्र के भीतर नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देना और संस्थानों, छात्रों और स्टार्टअप्स के लिए 5G तकनीकों का परीक्षण और विकास करने के लिए एक मंच के रूप में काम करना है।

सुर्खियों में स्थल

वियतनाम

हाल ही में, फिलीपींस और वियतनाम ने दक्षिण चीन सागर में घटनाओं से बचने और उनके तटरक्षकों के बीच सहयोग को बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

वियतनाम (राजधानी: हनोई)

अवस्थिति : वियतनाम दक्षिण-पूर्व एशिया में इंडोचीन प्रायद्वीप के पूर्वी छोर पर स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: वियतनाम दक्षिण चीन सागर के साथ-साथ टोंकिन खाड़ी (पूर्व), लाओस और कंबोडिया (पश्चिम), चीन (उत्तर) और थाईलैंड की खाड़ी (दक्षिण-पश्चिम) के साथ अपनी सीमा साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- फैनसीपान शिखर, जिसे फैन सी पीक के रूप में भी जाना जाता है, वियतनाम का सबसे ऊंचा पर्वत है।
- लाल नदी और मेकांग नदी वियतनाम की प्रमुख नदियाँ हैं।
- अन्नामाइट या अनाम रेंज देश की प्रमुख पर्वत श्रृंखला है।

POINTS TO PONDER

- वर्ष 2024 के लिए भारत सरकार द्वारा कितने व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई और किन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित करने की घोषणा हुई। **- वर्ष 2024 के लिए 132 व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई जिसमें पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, अभिनेता चिरंजीवी, वैजयंतीमाला बाली,बिंदेश्वर पाठक(मरणोपरांत) और पद्मा सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है।**
- हाल ही में रामसर कन्वेंशन के तहत कितने भारतीय आर्द्रभूमियों को अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमियों की वैश्विक सूची में जोड़ा गया है? **- पांच (अब रामसर साइटों की कुल संख्या 80 हो गई है)**
- हाल ही में कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में किसे नियुक्त किया गया? **- जस्टिस पी.एस. दिनेश कुमार**
- भारत के वित्त मंत्री कौन थे जिन्होंने 2018 तक बजट को चमड़े के ब्रीफकेस में ले जाने की परंपरा स्थापित की? **- अरुण जेटली (इन्होंने सबसे ज्यादा बजट पेश किए थे)**
- भारत में जन्मी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला कोलंबिया में चालक दल की सदस्य थीं। इस मिशन पर इज़राइल के पहले अंतरिक्ष यात्री कौन थे? **- इलान रेमन**